कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

MVS–006

एम. ए. (वैदिक अध्ययन) (एम. ए. वी. एस.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

एम.वी.एस.-006 : वेदाध्ययन परम्परा

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में विभक्त है। सभी खण्ड अनिवार्य हैं। निर्देशानुसार ही उत्तर दीजिए। हिन्दी* ***अथवा*** *संस्कृत* ***अथवा*** *अंग्रेजी में से किसी एक भाषा में उत्तर दीजिए।*

खण्ड—क

निर्देश*—निम्नलिखित में से किन्हीं* ***तीन*** *प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए।* 3×20=60

1. वेद के अपौरुषेयत्व का विस्तार से वर्णन कीजिए।
2. मन्त्र के स्वरूप और विमर्श का विस्तृत वर्णन कीजिए।
3. वेदांग साहित्य को समझाते हुए उसकी उपयोगिता का उल्लेख कीजिए।

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

4. वेद एवं धर्म के स्वरूप का विस्तृत विवेचन प्रस्तुत कीजिए।

5. प्राचीन वैदिक भाष्यकारों का विस्तृत परिचय लिखिए।

6. वैदिक पदानुक्रमकोश के विषय में विस्तृत निबन्ध लिखिए।

खण्ड—ख

निर्देश—*अधोलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

$4 \times 10 = 40$

1. ब्राह्मण के स्वरूप पर संक्षिप्त निबन्ध लिखिए।

2. विधि के विषय में टिप्पणी लिखिए।

3. अर्थवाद क्या है ? वर्णन कीजिए।

4. स्कन्द एवं नारायण का परिचय लिखिए।

5. उव्वट और महीधर का परिचय लिखिए।

6. स्वामी दयानन्द और श्री अरविन्द का परिचय लिखिए।

7. विल्सन और मैक्स मूलर के वेद-विषयक कार्यों का उल्लेख कीजिए।

× × × × ×

Downloaded from www.IGNOUBABA.com